सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 213 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार 9 सितम्बर, 2025
मूल्य ₹ 3/-

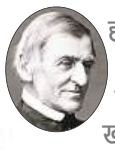

हर एक मिनट जिसमे आप क्रोधित रहते हैं, आप 60 सेकेण्ड की मन की शांति खोते हैं।
-राल्फ वाल्डो इमर्सन

सिराज अगस्त महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी... 7 | यूपी में अभी से बिछने लगी सियासी... 3 | सरकार ने जनता को भगवान... 2

उप-राष्ट्रपति चुनाव एनडीए में घबराहट

सरकार को अंदरूनी बगावत का खतरा!

» एनडीए बनाम इंडिया गठबंधन की नजर से न देखा जाए उप-राष्ट्र पति चुनाव

» चन्द्रशेखर और बेनीवाल का मिला समर्थन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ के इस्तीफा देने के दो महीने 21 दिन बाद आज उप-राष्ट्रपति पद पर हो रहे चुनाव में वोट डाले जा रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन के उम्मीदवार सी. पी. राधाकृष्णन और इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी के बीच सीधी लड़ाई है। कांग्रेस का दावा है कि उसकी सधी रणनीति के चलते एनडीए की घबराहट चाराहे पर दिखाई दे रही है।

कांग्रेसी सांसद इमरान मसूद ने कहा है कि पहले सिर्फ आदेश जारी कर दिया जाता था लेकिन इस बार मीटिंग और दौड़भाग बता रही है कि उन लोगों में हार का डर है। कुल मिलाकर मुकाबला दिलचस्प है। संख्या बल को देखें तो एनडीए उम्मीदवार जीत के ज्यादा करीब है लेकिन पिछले कुछ समय से जारी गुटबाजी और राजनीतिक घटनाओं का आंकलन करे तो मुकाबला कांटे का है। इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी पिछले चुनाव से ज्यादा वोट पा जाते हैं तो भी इसे गठबंधन अपनी जीत के तौर पर पेश करेगा। इंडिया गठबंधन की ओर से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी ने कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। वोटिंग से ठीक पहले उन्होंने सांसद हनुमान बेनीवाल और सांसद चंद्रशेखर आजाद से मुलाकात की और अपने पक्ष में समर्थन करने की अपील की। दोनों सांसदों के साथ मुलाकात के बाद सुदर्शन रेड्डी ने दावा किया कि उनकी जीत निश्चित है। मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि दोनों सांसदों का बहुत आभारी हूं कि उन्होंने मुझे हर कदम पर अपना समर्थन दिया। मैं इसे एक आशीर्वाद मानता हूं और अब मेरे हाथ और मजबूत हो गए हैं। मुझे लगता है कि जीत निश्चित है।

पिछले चुनावों में भी विपक्ष को मिले थे संख्याबल से ज्यादा वोट

→ आज सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक नए संसद भवन में हो रही है वोटिंग

→ देर शाम तक आ जाएंगे नतीजे सीक्रेट बैलेट पद्धति से डाले जा रहे हैं वोट

राजनीतिक दलों का नहीं है चुनाव

बी. सुदर्शन रेड्डी ने इस बात पर आपति जताई है कि उप-राष्ट्रपति पद के लिए होने वाले चुनाव को एनडीए बनाम इंडी गठबंधन के तौर पर देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि मेरा राजनीति से दूर-दूर तक कोई संबंध नहीं है अगर होता तो शायद मुझे इन लोगों से समर्थन नहीं मिलता।

तटस्थ लोगों का मिल रहा है समर्थन

रेड्डी ने कहा कि उन्हें ऐसे सांसदों की ओर से भी समर्थन मिल रहा है जो एनडीए या फिर इंडिया ब्लॉक में भी नहीं हैं। उन्होंने दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल का जिक्र करते हुए कहा कि वे न ही इंडिया ब्लॉक में हैं और न ही एनडीए में हैं। सांसद हनुमान बेनीवाल और चंद्रशेखर आजाद से मिले समर्थन पर उन्होंने आभार जताया और कहा कि ये दोनों सांसद इंडिया ब्लॉक और एनडीए में नहीं हैं फिर भी मेरा समर्थन कर रहे हैं।

पीएम मोदी, सोनिया गांधी, राहुल ने डाले वोट

15वें उपराष्ट्रपति के लिए मंगलवार को मतदान जारी है। पीएम मोदी ने पहला वोट डाला। कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी, शशि थरूर, अखिलेश याव ने उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए संसद भवन पहुंचकर मतदान किया। इस दौरान कांग्रेस के अन्य सांसद भी उनके साथ दिखे। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, राजनाथ सिंह ने मतदान किया। प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे भी मतदान किया।

जनता की आंखों में सवाल

आम नागरिक के लिए उपराष्ट्रपति का चुनाव कभी भी चर्चा का विषय नहीं रहा। लेकिन इस बार इस चुनाव पर भी जनता की उतनी ही नजरे है जितनी प्रधानमंत्री के चुनाव पर होती है। हर कोई इस सवाल का जवाब जानना चाहता है कि पूर्व उप-राष्ट्रपति जगदीप धनकड़ को चलते सत्र में क्यों हटाया गया। शायद जनता भी इस बार विपक्ष के उम्मीदवार को जीतते हुए देखना चाहती है। लेकिन असली सवाल यही है कि क्या लोकतंत्र का यह स्तंभ भी जनता के भरोसे पर खरा उतर रहा है? क्या उपराष्ट्रपति केवल सत्ता का प्रवक्ता बनकर रह जाएगा या वह निष्पक्ष होकर सदन को चलाएगा? यही वह सवाल है जो जनता की आंखों में चुभता है।

हम रेड्डी को समर्थन करेंगे : बेनीवाल

वहीं सांसद हनुमान बेनीवाल ने कहा कि हमारी पार्टी बी. सुदर्शन रेड्डी का समर्थन करेगी और 9 सितंबर को हम उनके पक्ष में वोट करेंगे। यह किसानपुत्र हैं और हम भी किसान हैं। किसानों और जवानों के लिए हमने पार्टी बनाई। मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि मैं उन्हें वोट कर रहा हूं। इनकी कलम से किसान जवानों के लिए अच्छे फैसले आ चुके हैं। उन्होंने कहा कि यदि रेड्डी उपराष्ट्रपति बनते हैं तो राज्यसभा की कार्रवाई को सुचारू रूप से चलाएंगे। राज्यसभा में ऐसे विद्वान व्यक्ति आते हैं तो मुझे यकीन है कि समाज के अंतिम छोर तक न्याय सुनिश्चित होगा। राज्यसभा के अंदर उन मुद्दों पर भी चर्चा की जाएगी जिनका देश इंतजार कर रहा है। सांसद चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि मुझे विश्वास है कि आज के चुनाव में बी. सुदर्शन रेड्डी की जीत निश्चित है।

नतीजे से आगे का रास्ता

इस चुनाव के नतीजे जो भी हों, पर असली जंग यहीं खत्म नहीं होगी। यह तो बस उस बड़े संघर्ष का हिस्सा है जो संसद से लेकर सड़क तक लड़ा जा रहा है। जनता महंगाई, बेरोजगारी और असमानता से जूझ रही है और नेता उपराष्ट्रपति की कुर्सी पर माथापच्ची कर रहे हैं। लेकिन लोकतंत्र का सच यही है हर कुर्सी पर बैठा शख्स जनता के जीवन को प्रभावित करता है।

संघर्ष का असली मतलब

यह चुनाव केवल जीत या हार का हिसाब नहीं है। यह इस बात का संघर्ष है कि लोकतंत्र में संस्थाएं किसकी ओर झुकेंगी। यदि उपराष्ट्रपति भी सत्ता के इशारों पर चलने लगे तो राज्यसभा विपक्ष के लिए महज एक कठपुतली मंच बन जाएगी। और यदि विपक्ष यहां संघर्ष का प्रतीक गढ़ देता है तो भले ही वह चुनाव हार जाए लेकिन लोकतंत्र के भीतर प्रतिरोध की आग बची रहेगी।

संख्याबल और सियासी समीकरण

लोकसभा और राज्यसभा के कुल सांसद इस चुनाव में मतदान करते हैं। बीजेपी और उसके सहयोगियों के पास संख्या अधिक है पर राजनीति केवल अंकों का खेल नहीं है। यह संदेश का खेल भी है। यही वजह है कि विपक्ष ने भी अपना उम्मीदवार उतारा है। आज के चुनाव में सबसे अहम है क्रॉस वोटिंग।

सरकार ने जनता को भगवान भरोसे छोड़ा : अखिलेश यादव

» बोले- हवाई सर्वे से बाढ़ पर्यटन कर रहे सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा सरकार पर सपा का करारा हमला जारी है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि प्रदेश में बाढ़ से स्थिति भयावह है। मथुरा से लेकर आगरा, अलीगढ़, शाहजहांपुर, पीलीभीत, कानपुर देहात, औरैया, इटावा, कन्नौज, फर्रूखाबाद, सीतापुर, हरदोई, वाराणसी से लेकर कई जिलों में बाढ़ से स्थिति खराब है। आरोप लगाया कि संकट की घड़ी में सरकार कहीं दिखाई नहीं दे रही है। टीम इलेवन का भी कुछ पता नहीं है।

अखिलेश ने कहा कि सीएम का हवाई सर्वे सिर्फ बाढ़ पर्यटन नकर रह गया है। दर्जनों जिलों के सैकड़ों गांव टापू बन गए है लोग इधर-उधर शरण लेने पर मजबूर हैं। आगरा में दर्जनों कॉलोनियों में पानी भर गया है लेकिन सरकार ने जनता को भगवान भरोसे छोड़ दिया है। आरोप लगाया कि बाढ़ राहत के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति हो रही है। उन्होंने दावा किया कि सरकार के रवैये से लोग निराश हैं।

बाइक पर ले जा रहे महिला का शव वीडियो वायरल, अखिलेश बोले- इससे शर्मनाक कुछ नहीं हो सकता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले के मोहब्बतपुर जीता गाँव में एक महिला की मौत पर व्यापक आक्रोश फैल गया है, क्योंकि वाहन उपलब्ध न होने के कारण उसका शव सातो घाट श्मशान घाट मोटरसाइकिल पर ले जाया गया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेज़ी से वायरल हो गया, जिसने काफ़ी ध्यान आकर्षित किया और विभिन्न प्लेटफ़ॉर्म पर बहस छिड़ गई। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने राज्य सरकार की आलोचना करते हुए वीडियो शेयर किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, इससे ज़्यादा शर्मनाक क्या हो सकता है? न तो मुख्यमंत्री और न ही स्वास्थ्य मंत्री से कहने को कुछ है। एनडीटीवी इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, कौशांबी के कड़ा धाम थाना क्षेत्र के मोहब्बतपुर जीता गाँव निवासी बुद्धरानी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। महिला के परिजनों का आरोप है कि यह हत्या का मामला है। घटना के बाद, पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया और शव उसके परिवार को सौंप दिया। पुलिस ने कहा कि पोस्टमार्टम नियमों के अनुसार किया गया और मामले की जाँच की जा रही है।

धोखेबाजों से गठबंधन नहीं करेंगे : चंद्रशेखर आजाद

» बोले-पार्टी के संगठन को भी मजबूत करने का काम तेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आगामी चुनाव को लेकर अभी से सभी राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारी तेज कर दी है। इन तैयारियों के बीच आजाद समाज पार्टी के मुखिया और नगीना लोकसभा सीट से सांसद चंद्रशेखर आजाद ने आगामी चुनाव में गठबंधन को लेकर बड़ा बयान दिया हैं। उन्होंने कहा हम धोखेबाजों से गठबंधन नहीं करेंगे। चंद्रशेखर आजाद ने गठबंधन को लेकर अपनी पार्टी का रुख साफ किया।

नगीना सांसद ने कहा कि आगामी चुनाव में हम उन्ही दलों के साथ गठबंधन करेंगे जो हमारे विचारों से मेल खाता होगा लेकिन, धोखेबाजों से दूर रहेंगे। उन्होंने साफ कहा कि हम दोबारा धोखा नहीं खाएंगे। उनकी पार्टी जमीनी स्तर पर चुनाव की तैयारी करने में जुटी है। पार्टी के संगठन को भी मजबूत करने का काम किया जा रहा है। यूपी में अगले साल पंचायत चुनाव होने हैं और 2027 में विधानसभा चुनाव होंगे। ऐसे में सभी बीजेपी, सपा, कांग्रेस समेत तमाम दल अपनी तैयारियों में जुटे हुए हैं। आजाद समाज पार्टी ने भी इन चुनावों में पूरी मजबूती के साथ मैदान में उतरने का ऐलान किया है। आसपा पंचायत चुनाव में अकेले अपने दम पर लड़ेगी। चंद्रशेखर आजाद पहले भी ये बात कह चुके हैं कि उनकी पार्टी पंचायत चुनाव में पूरे दमखम से लड़ेंगी और पंचायत चुनाव के जब नतीजे आएंगे तो सबको ये पता चल जाएगा कि उनकी पार्टी की ताकत क्या है? उन्होंने कहा कि वो पंचायत चुनाव के नतीजे के बाद वो यूपी विधानसभा चुनाव की रणनीति को तय करेंगे।

पंचायत चुनाव के बाद बातचीत करेंगे

उन्होंने ये भी साफ किया कि पंचायत चुनाव के बाद ही ये तय किया जाएगा कि गठबंधन किसके साथ लेगा? बता दें कि 2024 लोकसभा चुनाव से पहले चंद्रशेखर आजाद समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव के साथ गठबंधन करना चाहते थे लेकिन, बात नहीं बन पाई थी। जिसके बाद उन्होंने अकेले चुनाव लड़ा और नगीना से जीत हासिल की।

केंद्र सरकार को जिस तरह से मदद करनी चाहिए, वह नहीं कर रही : अजय राय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि पंजाब सहित विभिन्न राज्यों में बाढ़ का कहर चल रहा है। लाखों लोग इस प्राकृतिक आपदा से प्रभावित हुए हैं। केंद्र सरकार को जिस तरह से मदद करनी चाहिए, वह नहीं कर रही है। ऐसे में कांग्रेस के हर कार्यकर्ता आपदा पीड़ितों के साथ है।

उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार में राष्ट्रीय आपदा राहत एवं बचाव के संस्थान को बहुत मजबूत किया गया था। आपदा के समय बिना समय गंवाए अधिकतम बचाव की न्यूनतम नुकसान की नीति पर काम किया जा रहा था।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने आलमबाग के चंदरनगर स्थित गुरुद्वारा पहुंच कर बाढ़ पीड़ितों के लिए अरदास किया। इस दौरान पंजाब में आई बाढ़ से प्रभावित होने के लिए आर्थिक सहायता का चेक सौंपा। गुरुद्वारे के गुरुग्रंथी ने भरोसा दिया कि कांग्रेस से मिली सहायता पीडितों को पहुंचा दी जाएगी।

'तमिलनाडु में 2026 की राह भाजपा के लिए कठिन'

तमिलनाडु भाजपा के पूर्व प्रमुख के अन्नामलाई ने कहा कि गठबंधन का निर्णय शीर्ष नेतृत्व करेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु भाजपा के पूर्व प्रमुख के अन्नामलाई ने कहा कि उनका हमेशा से मानना रहा है कि भाजपा अकेले लड़ेगी और धीरे-धीरे अपनी छाप छोड़ेगी, जिसका अंतिम लक्ष्य सत्ता में आना होगा। पार्टी की मौजूदा रणनीति पर बोलते हुए, अन्नामलाई ने स्वीकार किया कि 2026 एक क्लासिक केस होगा जहाँ भाजपा अपने दम पर सरकार बनाने की स्थिति में नहीं होगी।

उन्होंने बताया कि विजय जैसे नए खिलाड़ियों के आने से राज्य में राजनीतिक संघर्ष और तेज हो जाएगा, लेकिन जोर देकर कहा कि डीएमके को सत्ता से बाहर कर देना चाहिए। अन्नाद्रमुक के साथ भाजपा के गठबंधन पर अन्नामलाई ने कहा कि यह पार्टी नेतृत्व का एक बहुत ही व्यावहारिक फैसला है और उन्हें उम्मीद है कि 2026 में इसके अच्छे परिणाम मिलेंगे। उन्होंने कहा हम गठबंधन का हिस्सा हैं। उन्होंने

स्पष्ट किया कि आगामी विधानसभा चुनावों के लिए यह गठबंधन महत्वपूर्ण है।

अगर आपने छह महीने पहले पूछा होता, तो मैं भाजपा को कई चुनाव अकेले लड़ने के लिए प्रेरित करता। लेकिन जब नेतृत्व सभी पक्षों की बात सुनता है और देश के लिए 2026 के महत्व को ध्यान में रखते हुए गहन व्यावहारिक निर्णय लेता है, तो हम कार्यकर्ता के रूप में बस अपनी बात रख सकते हैं। आखिरकार, नेता सबकी बात सुनकर ही निर्णय लेते हैं। उन्होंने आगे बताया कि भाजपा की अपनी विचारधारा तो है, लेकिन वह अन्नाद्रमुक के नेतृत्व का सम्मान करती है। उन्होंने आगे कहा कि यह गठबंधन न केवल अन्नाद्रमुक का मुख्यमंत्री बनाने का अवसर प्रदान करता है, बल्कि भाजपा विधायकों की संख्या भी बढ़ाता है, जिससे लोगों को राज्य स्तर पर पार्टी के काम का पता चलता है।

ईपीएस एनडीए के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार

तमिलनाडु में एनडीए के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के बारे में अन्नामलाई ने स्पष्ट किया कि ईपीएस ही चुने गए उम्मीदवार हैं। उन्होंने कहा कि अमित शाह जी ने साफ़ तौर पर कहा है कि ईपीएस जी एनडीए के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार हैं। हम जनता को ग्रमित नहीं कर सकते। पार्टी एक तरफ है, विचारधारा एक तरफ है, लोग एक नेता चाहते हैं, और अगर वह ईपीएस हैं, तो हम उनका समर्थन करेंगे। वह 2026 के मुख्यमंत्री होंगे।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

मऊ से विधायक अब्बास अंसारी की विधायकी बहाल

» विधानसभा सचिवालय से आदेश जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। माफिया मुख्तार अंसारी के बड़े बेटे और मऊ से सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के विधायक रहे अब्बास अंसारी की विधानसभा की सदस्यता बहाल कर दी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में प्रमुख सचिव विधानसभा प्रदीप कुमार दुबे ने उनकी सदस्यता बहाली का आदेश जारी कर दिया।

बता दें, कि मऊ से विधायक अब्बास अंसारी को स्थानीय अदालत ने बीती 31 मई को हेट स्पीच के मुकदमे में दो वर्ष की सजा सुनाई थी, जिसके बाद उनकी विधानसभा की सदस्यता समाप्त कर दी गई थी। वहीं अब्बास ने स्थानीय अदालत के फैसले पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में पुनरीक्षण याचिका दाखिल की थी, जिसके बाद न्यायालय द्वारा उनकी सजा को निलंबित करने का आदेश दिया गया था। हाईकोर्ट द्वारा बीती 20 अगस्त को दिए गए आदेश के अनुपालन में विधानसभा सचिवालय ने उनकी सदस्यता बहाली की अधिसूचना जारी कर दी है। हालांकि इससे अब्बास की मुश्किलें अभी कम नहीं हुई हैं। उनके खिलाफ कई मुकदमों की सुनवाई जारी है। अब्बास अंसारी ने इस फैसले को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने निचली अदालत के फैसले को निरस्त कर दिया था।

यूपी में अभी से बिछने लगी सियासी बिसात

सपा ने सत्ता में बैठी भाजपा को हर मुद्दे पर घेरने की तैयारी की

» एनडीए के सहयोगियों पर अखिलेश की नजर

» पंचायत चुनाव में दिखेगा नया रंग

» बीजेपी के कुछ लोगों से नाराज हैं मंत्री संजय निषाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में आगामी होने वाले विधान सभा चुनाव के लिए सियासी बिसात अभी से बिछने लगी है। जहां राज्य की सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी सपा ने सत्ता में बैठी भाजपा को हर मुद्दे पर घेरने की तैयारी कर ली है। वहीं भाजपा के सहयोगियों पर भी निशाना साधने का प्लान तैयार किया। समय-समय पर जब एनडीए का कोई भी सहयोगी योगी सरकार के खिलाफ राग अलापता है तो सपा उसको लपक कर जहां हमलावर होती हैं, वहीं उसको भाजपा से अलग करवाने की जुगत भी लगाती है। आने वाले समय में पता चलेगा की कौन सी पार्टी इधर से उधर होती है। फिलहाल चुनाव होने में अभी लगभग दो साल बचे है पर नेताओं के बयानों से तो ऐसा लगता है कि तब तक ऊंट कई बार करवट बदलेगा और प्रदेश सियासत में भी बदलाव नजर आएगा।

दिल्ली में अधिवेशन के बाद उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री और एनडीए में सहयोगी डॉ. संजय निषाद के नाराजगी की अटकलें तेज है। वाराणसी पहुंचे डॉक्टर संजय निषाद ने अपनी नाराजगी के साथ-साथ एबीवीपी और सुभासपा के बीच छिड़े सियासी जंग को लेकर बयान दिया है। इसके अलावा उन्होंने स्पष्ट किया है कि लोकतंत्र में वोट की ताकत होती है, इसलिए रानी के पेट से राजा ही पैदा नहीं होता। डॉ. संजय निषाद ने कहा कि नाराजगी की बात नहीं है, हमने अपनी बात रखी है। दरअसल भारतीय जनता पार्टी में कुछ लोग जो दूसरे दलों से आए हैं वो हमारे समाज को बढ़ता हुआ नहीं देख सकते। उनको लगता था कि यह जिस कार्य के लिए बने हैं उसी के लिए हैं। नोट के आधार पर हमारे समाज का वोट ले लेते थे लेकिन अब वोट पर बात होती है। हमारे समाज के लोगों के संवैधानिक अधिकार की बात होती है और दूसरे दलों से आए हुए ऐसे लोग प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की भी नीतियों को नहीं समझते हैं। मंत्री ओमप्रकाश राजभर के बयान के बाद अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के बीच सियासी तलवार खिंच चुकी है। इसको लेकर डॉक्टर संजय निषाद ने कहा कि इस मामले में उन लोगों पर कार्रवाई होनी चाहिए जिन्होंने छात्रों पर लाठीचार्ज करने का आदेश दिया है। हमारे सहयोगी मंत्री ओमप्रकाश हमेशा फ्री शिक्षा और मुफ्त स्वास्थ्य इलाज की बात करते हैं और वर्तमान समय में इस विषय पर बात होना चाहिए की छात्रों पर लाठी चार्ज किसने किया।

मैं लीडर्स को जानता हूं, हमारे बोलने का ही कीमत वसूलेंगे : अखिलेश यादव

सपा चीफ ने कहा कि मैं लीडर्स को जानता हूं हमारे बोलने का ही कीमत वसूलेंगे। अगर उन लोगों में अगर थोड़ा भी सम्मान है तो विचार करें। लेकिन सवाल ये है कि अगर हम कुछ कह दें तो उसीकी वो डिमांड हो जाएगी। तो हम क्या कर सकते हैं... सरकार है लाभ पहुंचा देगी। उन्होंने कहा कि कहो उनको (राजभर) पीडब्ल्यूडी मिल जाए। हमारे बोलने से पीडब्ल्यूडी मिल जाए तो हम तो चाहेंगे उन्हें पीडब्ल्यूडी मिल जाए। हम ये चाहते हैं कि पॉजिटिव विचार करें कि पंचायत राज से हट के पीडब्ल्यूडी पहुंच जाएं। हम लोग नेगेटिव नहीं हैं। हम ये चाहते हैं कि जो विभाग उनके पास है विचार करें और पीडब्ल्यूडी ले लें। योगी सरकार के मंत्री निषाद के बयान पर सपा चीफ ने कहा कि वैल्यू मैं बढ़ने नहीं दूंगा किसी की। एक भी वोट काट नहीं पाएंगे। बीजेपी ने अपने लोग रखवा रखे हुए हैं, क्योंकि वो जानते है उनकी सरकार बचेगी नहीं, जानी है। पॉलिटकल लोगों को वोट बनवाना, वोट कटवाना, वोट बढ़वाना, बड़ी जिम्मेदारी दे दी है।

संजय निषाद और ओपी राजभर पर बरसे अखिलेश

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने निषाद पार्टी के नेता संजय निषाद और सुभासपा चीफ ओम प्रकाश राजभर के बयानों पर टिप्पणी की है। बता दें योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री संजय निषाद और ओम प्रकाश राजभर बीते दिनों अलग-अलग वजहों से चर्चा में रहे। राजभर के घर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के छात्रों और कार्यकर्ताओं ने हंगामा किया। राजभर मामले पर अखिलेश ने प्रतिक्रिया दी है। इस मामले पर मुझे कुछ कहना नहीं है। उनमें थोड़ा सा सम्मान है वो विचार करें, अगर हम बोले तो वो उसको भी कैश करा लेंग पंचायत से दो से दो मिल जायेंगे। हमारे बोलने की भी कीमत ले लेंगे। सरकार की जिम्मेदारी है सुरक्षा देना। हमारे छात्र सभा के लोग इंस्टीट्यूशन में जो हिला हवाली और मान्यता से संबंधित मसले है उसके खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे।

कुछ दिनों से बसपा की सक्रियता बढ़ी

कुछ दिनों से बसपा सक्रिय हो गई है। अपने भतीजे का कद बढ़ाने के बाद पार्टी की मुखिया अपने पुराने उन लोगों को फिर अपने साथ जोड़ने की कवायद करने लगीं हैं। इसी क्रम में उन्होंने अशोक सिद्धार्थ व जयप्रकाश की वापसी करा दी है। हालांकि सियासी गलियारें में उन पर परिवारवाद करने का आरोप लगा रहीं हैं। हुजन समाज पार्टी के पूर्व नेशनल कोऑर्डिनेटर जयप्रकाश को आठ साल पहले पार्टी से निष्कासित किया गया था। वह कई बार सार्वजनिक रूप से बसपा सुप्रीमो मायावती से माफी भी मांग चुके हैं। पार्टी के हर कार्यक्रम से लेकर जनाधार बढ़ाने तक की मुहिम में अप्रत्यक्ष रूप से शामिल होते हैं। इसके बावजूद अभी तक उनकी पार्टी में वापसी नहीं हो सकी है। बता दें कि जयप्रकाश तो बानगी मात्र हैं, बसपा में तमाम नेता वापसी की उम्मीद लगाए हैं। इनमें मुख्य रूप से बसपा और भाजपा सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे स्वामी प्रसाद मौर्य हैं, जिनकी बसपा में वापसी की अटकलें लग रही हैं, लेकिन अभी बात नहीं बन सकी है। दरअसल, मायावती ने अपने फैसलों को पलटते हुए पहले भतीजे आकाश आनंद और फिर समधी अशोक सिद्धार्थ की पार्टी में वापसी कराई है। माना जा रहा है कि आकाश का बसपा में कद बढ़ने के बाद उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ की वापसी का रास्ता साफ हुआ है।

'पीएम मोदी हमारे समाज के हितैषी'

संजय निषाद ने कहा कि देश के समक्ष अब निषाद समाज की बात होती है और इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का महत्वपूर्ण योगदान है। वहीं डॉक्टर संजय निषाद ने यह भी कहा कि जिस प्रकार से कांशीराम जी ने दलितों के लिए संवैधानिक व्यवस्था तय कर दी, मुलायम सिंह यादव ने पिछड़ों के लिए अपना योगदान दिया ठीक उसी तरह हमारे द्वारा प्रयास है कि हम निषाद समाज के लिए संवैधानिक व्यवस्था तय करें। जिसके बाद उनका हक अधिकार कभी न छीना जा सके। आज दलित की जो ताकत है पिछड़े वर्ग की जो ताकत है हम सभी देख रहे हैं। इसलिए आरक्षण की बात करने वाला ही हमारे समाज का हितैषी है।

कई नेताओं की बसपा ने कराई वापसी

बसपा के इतिहास पर नजर डालें तो मायावती पहले भी तमाम नेताओं को इसी तरह माफ करती रही हैं। कुछ दिन पहले नगीना के सांसद गिरीश चंद्र को भी पार्टी में वापस लिया गया था। वहीं अफजाल अंसारी, इंद्रजीत सरोज समेत तमाम नेताओं का बसपा में आना-जाना लगा रहा। हाल ही में बसपा सुप्रीमो ने पूर्व कैबिनेट मंत्री धर्मवीर अशोक और पूर्व एमएलसी एमएल तोमर को भी पार्टी में वापस लेने का फैसला लिया है, जो दर्शाता है कि निष्कासित नेताओं के लिए पार्टी के दरवाजे पूरी तरह बंद नहीं किए जाते हैं। हालांकि बीते एक दशक पर नजर डालें तो पार्टी के तमाम कद्दावर नेताओं ने बसपा का साथ छोड़ने के बाद वापसी नहीं की। इनमें से तमाम दूसरे दलों में जाने के बाद बड़े पदों पर आसीन हैं तो कई राजनीति में अब सक्रिय नहीं हैं।

परिवारवाद फिर न पहुंचाए नुकसान

बता दें कि बीते कुछ वर्षों में बसपा को परिवारवाद की वजह से खासा नुकसान सहना पड़ा है। अशोक सिद्धार्थ को गुटबाजी करने के आरोप में हटाया गया था। इससे मायावती के भाई आनंद कुमार को लेकर भी कई बार असमंजस की स्थिति रही, जिसकी वजह से उनकी जिम्मेदारियों में बदलाव किया जाता रहा। आकाश और अशोक को हटाने के

दौरान मायावती ने कहा था कि आनंद कुमार ने मुझसे कहा है कि वह पार्टी हित में अपने बच्चों का रिश्ता गैर राजनीतिक परिवार से ही जोड़ेंगे। अशोक सिद्धार्थ की तरह अब आगे पार्टी को किसी प्रकार का कोई नुकसान न हो, इसका भरोसा आनंद ने दिलाया है। अशोक सिद्धार्थ का दबाव अपनी बेटी पर है। बेटी का दबाव आकाश पर है। आकाश के दबाव में आने से पार्टी को नुकसान हो सकता है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

बातों से नहीं ठोस फैसले से बनेंगे आत्मनिर्भर

यूरोपीय संघ भी बड़े डेटा सुरक्षा कानून बनाकर अमेरिकी कंपनियों के प्रभाव को सीमित करने के लिए प्रयासरत हैं। डिजिटल स्पेस में भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसका विशाल डेटा भंडार है। विश्व में भारत एक बड़ा इंटरनेट उपभोक्ता बाजार है। यह डेटा अमेरिकी आइटी कंपनियों के लिए सोने की खान सिद्ध हो रहा है।

नेपाल जैसा छोटे देश ने दुनिया के डिजिटल की बड़ी-बड़ी कंपनियों पर नकेल कसा है, पर भारत अब भी पीछे है। जबकि पीएम मोदी कुछ दिनो से स्वदेशी का राग अलाप रहे हैं। सरकार को समझना चहिए की आत्मनिर्भरता बातों से नहीं आएगा। उसके लिए ठोस फैसलै लेने होंगे। भारत का डिजिटल आधार विदेशी कंपनियों विशेषकर अमेरिकी संस्थानों यथा गूगल अल्फाबेट, माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन, एक्स और मेटा इत्यादि पर अत्यधिक निर्भर है। यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगा कि आज भारत की ईमेल सेवाओं से लेकर क्लाउड स्टोरेज, सर्च इंजन और ऑपरेटिंग सिस्टम तक अधिकांश आधारभूत ढांचे पर अमेरिकी कंपनियों जैसे मेटा, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट आदि का ही वर्चस्व है। निसंदेह यह स्थिति भारत की डिजिटल संप्रभुता के लिए गंभीर चुनौती है। डिजिटल निर्भरता का सबसे बड़ा जोखिम यह है कि यह किसी भी समय राजनीतिक अस्त्र में परिवर्तित हो सकती है। सभी ने देखा है कि हाल में अमेरिका ने जिस प्रकार टैरिफ वॉर की नीति अपनाते हुए कई देशों पर ऊंचे आयात शुल्क थोपे हैं।

यदि यही रणनीति डिजिटल क्षेत्र में अपनाई जाती है, तो इसके परिणाम कहीं अधिक भयावह होंगे। यदि अमेरिकी राष्ट्रपति कोई कार्यकारी आदेश पारित कर गूगल, माइक्रोसॉफ्ट या अमेजन जैसी कंपनियों को भारत की क्लाउड सेवाओं, ई-मेल सेवाओं या सॉफ्टवेयर अपडेट रोकने को निर्देशित करें तो क्षणभर में भारत के बैंकिंग, स्वास्थ्य, रक्षा, आपूर्ति सेवा, ऊर्जा, परिवहन और संचार क्षेत्र संकट में आ जाएंगे। कुछ समय पूर्व देखा गया था कि जिस प्रकार माइक्रोसॉफ्ट की सेवाएं ठप होने से वैश्विक स्तर पर एयरलाइंस, बैंक और मीडिया हाउस प्रभावित हुए। इसके अतिरिक्त भारत में डिजिटल विज्ञापन, क्लाउड सेवाओं और ऑपरेटिंग सिस्टम का अधिकांश हिस्सा अमेरिकी कंपनियों के हाथ में है। यदि किसी दिन ये कंपनियां शुल्क अचानक बढ़ा दें या भारतीय संस्थानों को प्रतिबंधित सूची में डाल दें, तो भारतीय उद्योग जगत और समस्त वाणिज्य व व्यापार भारी संकट में आ जाएंगे। यदि यूट्यूब, गूगल सर्च या माइक्रोसॉफ्ट की सेवाओं से अचानक भारतीय भाषाओं की सामग्री को हटा दिया जाए या सीमित कर दिया जाए, तो करोड़ों भारतीय उपभोक्ता व कंटेंट क्रिएटर्स डिजिटल रूप से हाशिये पर चले जाएंगे। वहीं चीन और यूरोपीय संघ के उदाहरण भारत के लिए अनुकरणीय हो सकते हैं। चीन तकनीक के अन्य क्षेत्रों के साथ ही सूचना प्रौद्योगिकी के तेजी से रणनीतिक प्रयोग को जल्द ही भांप कर समझ लिया था कि डिजिटल संप्रभुता के बिना कोई भी राष्ट्र अपने दीर्घकालीन राजनीतिक हितों की रक्षा नहीं कर सकता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

देशों की सीमाओं से अलग राह बनाकर बहता पानी

ज्योती मल्होत्रा

एक कवि के शब्द है 'पानी, हर तरफ पानी।' सुल्तानपुर लोधी के मंड इलाके की हालत देखते ही यह पंक्ति आपके दिमाग में वाकई गूंजने लगती है, जहां ब्यास नदी ने अपने किनारों को तोड़कर धान की फसल को पानी में डुबो दिया है। यह कहानी दो फसल चक्र वाली खेती के आधे हिस्से के नुकसान और तबाही की है। पिछले कुछ हफ्तों में पंजाब की नदियों का जलस्तर बढ़ते देखना इतिहास और भूगोल दोनों के लिए एक सबक रहा है। हम जानते हैं कि पंजाब शब्द फारसी के शब्दों, पंज और आब के संगम से बना है, जिसका अर्थ है 'पांच पानियों की भूमि'। इसका श्रेय टैंजियर्स से आए यात्री इब्न बतूता को दिया जाता है, जिनके बारे में माना जाता है कि उन्होंने 14वीं शताब्दी में इस क्षेत्र का भ्रमण किया था।

लेकिन विडंबना है कि बतूता से पहले, पंजाब को पंचनद के नाम से जाना जाता था, जो संस्कृत का एक शब्द है। जिसका अर्थ है 'पांच नदियों की भूमि'– यह शब्द महाभारत के समय से चला आ रहा है और आज भी पाकिस्तान में उस नदी का नाम है जिसमें अविभाजित पंजाब की सभी पांचों नदियां – झेलम, चिनाब, सतलुज, व्यास और रावी–अरब सागर में समाने से पहले, मिलकर एक विशाल नदी का रूप धर लेती हैं। गौर कीजिए कि प्रकृति को किस कदर मानव-निर्मित क्षुद्र विभाजनों से घृणा है, चाहे वह 1947 के दौरान या उसके बाद हाल ही में अप्रैल 2025 में, जब पहलगाम नरसंहार की भयावहता के बाद, गुस्साए भारत ने 1960 में हुई सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया। दो युद्धों और एक सीमित संघर्ष के बावजूद, यह संधि कायम रही, क्योंकि इसमें पंजाब की नदियों का जल बरतने संबंधी नियम थे। ऑपरेशन सिंदूर की पूर्व संध्या पर, भारत ने जम्मू में चिनाब नदी पर बने बगलिहार बांध के निकास द्वार बंद कर दिए और घोषणा की कि पहलगाम के प्रतिशोध में पाकिस्तान को 'पानी की एक बूंद तक' नहीं देंगे। कई दशकों में पहली बार, जम्मू में चिनाब की तलहटी सूखी दिखी। पाकिस्तानी अधिकारियों ने अपनी फसलों और आबादी के लिए सबसे बुरे डर को लेकर घबराहट भरी प्रतिक्रिया व्यक्त की।

तीन माह बाद, भू-राजनीति का स्वरूप बदलने की बारी भूगोल की आई। जब हिमाचल प्रदेश और पंजाब में दशकों में सबसे ज्यादा बारिश के साथ, भाखड़ा, रणजीत सागर और पौंग बांधों के जलाशयों का जलस्तर ऐन ऊपरी किनारे तक जा पहुंचा, जिससे

अधिकारियों को बांधों को सुरक्षित रखने के लिए पंजाब की तीन पूर्वी नदियों में पानी छोड़ना पड़ा। लेकिन अब सीमा के दोनों ओर सवाल उठ रहे हैं– मसलन, क्या अधिकारियों को इन उत्तर भारतीय बांधों से पानी छोड़ना नहीं चाहिए था, जिससे सीमा के दोनों ओर बाढ़ आ गई? अजनाला, कपूरथला, सुल्तानपुर लोधी, फिरोजपुर, करतारपुर साहिब। पंजाब के जिन कस्बों की सूची जो इन दिनों तैरती हुई लगती है, उस पर 'भीगता पंजाब' जैसे मीम्स बन रहे हैं। फिरोजपुर इलाके में बाढ़ इतनी भारी है कि इसने रेडक्लिफ रेखा पर बने निशानदेही चिह्न मिटा दिये हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा बाड़ के कुछ हिस्से जलमग्न हैं। मानो भूगोल इतिहास से अपना बदला ले रहा हो। इस बीच, गुस्से की जगह सामान्य समझदारी ने ली है। भारत ने भले ही सिंधु जल संधि को निलंबित कर रखा है, लेकिन वह इस्लामाबाद स्थित अपने उच्चायोग के जरिये पाकिस्तान को छोड़े गए पानी के आंकड़े मुहैया करवा रहा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि भारत एक ऊपरी रिपेरियन देश होने के नाते अपनी जिम्मेदारी समझता है। जो भी है, जम्मू-कश्मीर में चिनाब और झेलम में इतना पानी बहता है, खासकर मानसून में, सालाना 136.2 मिलियन एकड़ फीट तक, जिससे कि रन-ऑफ-द-रिवर बगलिहार और किशनगंगा बांधों के पास और कोई विकल्प नहीं है सिवाय पानी को पाकिस्तान में बहने देने के। यही कारण है कि सिंधु नदी संधि को निलंबित या स्थगित रखने का जमीनी स्तर पर कोई खास मतलब नहीं – पानी, अपनी प्रकृति अनुसार पहाड़ों से समुद्र की ओर बहेगा। हिमालय से अरब सागर की ओर। पानी के लिए नक्शे, संधियां और समझौते मायने नहीं रखते। यह अपना रास्ता निकाल ही लेता है। हालांकि, बांध जल संचयन, अधिकारों और जिम्मेदारियों को लेकर बने सवालों ने खुद को बृहद परिदृश्य में शामिल कर लिया है। उधमपुर के सांसद और प्रभावशाली कनिष्ठ केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने भारत द्वारा पश्चिमी नदियों (चिनाब, झेलम) पर अपने बांधों से गाद न निकाल पाने के पीछे सिंधु जल संधि को दोषी ठहराया है। लेकिन जब सिंधु जल संधि को ध्यान से पढ़ें – तो यह संधि केवल मानसून के दौरान ही गाद निकालने पर रोक लगाती है; भारत शेष अन्य समय में कभी भी गाद निकालने के लिए स्वतंत्र है। इसके अलावा, सिंधु जल संधि पूर्वी नदियों (सतलुज, रावी और ब्यास) पर बने बांधों की गाद निकालने के बारे में खामोश है।

शक्ति व आशा जगाता एक सच्चाई का संगीत

नरेंद्र मोदी

भारतीय संस्कृति और संगीत के प्रति जुनून रखने वाले सभी लोगों के लिए 8 सितंबर का दिन बेहद खास होता है। असम के मेरे भाइयों और बहनों के लिए यह दिन और भी खास होता है। आखरिकार, भारत की अब तक की सबसे अद्भुत आवाजों में शुमार रहे डॉ. भूपेन हजारिका की 8 सितंबर को जयंती होती है। यह भारतीय कलात्मक अभिव्यक्ति और जनचेतना में उनके अमूल्य योगदान को याद करने का अवसर है। भूपेन दा ने हमें जो दिया, वह संगीत से कहीं बढ़कर है। उनकी रचनाओं में भावनाएं समाहित थीं, जो राग से परे थीं। वह महज एक आवाज से बढ़कर, लोगों के दिलों की धड़कन थे। कई पीढ़ियां उनके गीतों को सुनकर बड़ी हुई हैं, जिनके हर शब्द में दया, सामाजिक न्याय, एकता और गहराई से जुड़े अपनत्व के भाव गुंजायमान होते हैं। असम से एक ऐसी आवाज उभरी, जो अपने साथ मानवता की भावना लेकर एक कालातीत नदी की तरह बहते हुए, सीमाओं और संस्कृतियों को पार करती गई।

भूपेन दा ने दुनिया भर की यात्रा की, समाज के सभी वर्गों के दिग्गजों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम किया, लेकिन वे असम में अपनी जड़ों से गहराई से जुड़े रहे। उनके बचपन को असम की समृद्ध मौखिक परंपराओं, लोक धुनों और कहानी सुनाने की सामुदायिक प्रथाओं ने गहराई से आकार दिया। इन अनुभवों ने उनकी कलात्मक शब्दावली की बुनियाद रखी। वे असम की मौलिक पहचान और उसके लोगों के लोकाचार की भावना को हमेशा साथ लेकर चले। भूपेन दा की प्रतिभा बहुत कम आयु में ही सामने आ गई थी। मात्र पांच साल की आयु में, उन्होंने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में गायन किया और तत्काल असमिया साहित्य की अग्रणी हस्ती लक्ष्मीनाथ बेजबरुआ का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया। किशोरावस्था में ही उन्होंने अपना पहला गीत रिकॉर्ड कर लिया था, लेकिन संगीत उनके व्यक्तित्व का केवल एक हिस्सा था।

भूपेन दा हृदय से उतने ही बुद्धिजीवी... जिज्ञासु, स्पष्टवक्ता और दुनिया को समझने की अदम्य इच्छा से प्रेरित थे। ज्योति प्रसाद अग्रवाल और बिष्णु प्रसाद राभा जैसी सांस्कृतिक विभूतियों ने उनके मन पर गहरी छाप छोड़ी और उनकी जिज्ञासु प्रवृत्ति को भी गहन बनाया। सीखने की यही इच्छा थी जिसने उन्हें बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के कॉटन कॉलेज में उत्कृष्ट बनाया और उन्हें अमेरिका ले गई, जहां वह उस समय के प्रमुख शिक्षाविदों, विचारकों और संगीतकारों के संपर्क में आए। उनकी मुलाकात महान कलाकार और सिविल राइट्स लीडर पॉल रॉबसन से हुई। रोबसन का गीत 'ओल मैन रिवर' भूपेन दा की प्रतिष्ठित रचना 'बिस्तिर्नो पारोरे' के लिए प्रेरणा बन गया। अमेरिका की बेहद सम्मानित पूर्व प्रथम महिला एलेनोर रूजवेल्ट ने भारतीय लोक संगीत की उनकी प्रस्तुति के लिए उन्हें स्वर्ण पदक से सम्मानित किया। भूपेन दा के पास अमेरिका में ही रहने का विकल्प था, लेकिन वे भारत लौट आए और पूरी तरह संगीत में रम गए। रेडियो से लेकर रंगमंच तक, फिल्मों से लेकर शैक्षिक वृत्तचित्रों तक, वे हर माध्यम में पारंगत थे।

वे जहां भी गए, उन्होंने युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। उनकी रचनाओं में गीतात्मकता के साथ ही सामाजिक संदेश भी थे, जिनमें गरीबों के लिए न्याय, ग्रामीण विकास, आम नागरिकों की शक्ति आदि जैसे विषय शामिल थे। अपने संगीत के माध्यम से, उन्होंने नाविकों, चाय बागानों के मजदूरों, महिलाओं, किसानों आदि की आकांक्षाओं को स्वर दिया। पुरानी यादों को ताजा करने के साथ-साथ, भूपेन दा की रचनाएं आधुनिकता को देखने का एक सशक्त माध्यम भी बनीं। बहुत से लोग, खासकर उनके जैसे सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों के लोग, उनके संगीत से शक्ति और आशा प्राप्त करते हैं। 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना भूपेन हजारिका की जीवन यात्रा में सशक्त रूप से अभिव्यक्त हुई। उनकी रचनाओं ने भाषाई और क्षेत्रीय सीमाओं को पार करते हुए देश भर के लोगों को एकजुट किया। उन्होंने शेष भारत के लिए असम को दृश्यमान और श्रव्य बनाया। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि उन्होंने असम में रहने वाले लोगों और दुनिया भर में फैले असमिया प्रवासियों, दोनों के लिए आधुनिक असम की सांस्कृतिक पहचान को आकार देने में योगदान दिया। वे जनसेवा की दुनिया से जुड़े रहे।

1967 में, वे असम के नौबोइचा निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय विधायक चुने गए, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि उनका सार्वजनिक व्यक्तित्व जनता के विश्वास में कितनी गहराई से निहित था। हालांकि वे कभी भी पेशेवर राजनेता नहीं बने, लेकिन दूसरों की सेवा करने का उनका जुनून बेहद प्रभावशाली था। बीते वर्षों में भारत की जनता और सरकार ने उनके अमूल्य योगदान की सराहना की है। उन्हें पद्मश्री, पद्म भूषण, पद्म विभूषण, दादासाहेब फाल्के पुरस्कार सहित कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। यह मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से और एनडीए सरकार के लिए सम्मान की बात थी कि 2019 में हमारे कार्यकाल के दौरान, उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान दिए जाने पर दुनिया भर के लोगों, खासकर असम और पूर्वोत्तर के लोगों ने खुशी जाहिर की। यह सम्मान उन सिद्धांतों का एक उत्सव है जिन्हें भूपेन दा अपने दिल के करीब मानते थे – कि संगीत, जब सच्चाई पर आधारित होता है, तो सभी बाधाओं को पार कर सकता है, एक गीत लोगों के सपनों का भार उठा सकता है और दुनिया भर के दिलों को छू सकता है।

साबुत मूंग

सुबह खाने के हैं अनेक फायदे

सुबह भीगे हुए मूंग खाने के फायदे अनगिनत हैं, और यह एक संपूर्ण पोषण से भरपूर सुपरफूड है जो आपके शरीर को जबरदस्त ऊर्जा, पोषण और कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। रोज सुबह भीगे हुए मूंग खाने से न सिर्फ आपका शरीर फिट और हेल्दी रहेगा, बल्कि यह आपको दिनभर एनर्जेटिक और एक्टिव बनाए रखेगा। यह एक संपूर्ण आहार है, जो आपको अंदर से ताकतवर बनाता है और आपको हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाने में मदद करता है। तो अगर आपने अभी तक इसे अपनी डाइट में शामिल नहीं किया है, तो आज से ही इसे अपने ब्रेकफास्ट का हिस्सा बनाएं। लेकिन अगर आपको पेट में गैस, एसिडिटी या कोई अन्य पाचन संबंधी समस्या होती है, तो एकदम ज्यादा मात्रा में न खाएं। पहले कम मात्रा में शुरू करें और धीरे-धीरे बढ़ाएं। इसे खाने के लिए रातभर एक कटोरी मूंग को पानी में भिगो दें। सुबह इसे अच्छे से धोकर कच्चा खाएं या हल्का सा भून लें। स्वाद और सेहत बढ़ाने के लिए इसमें नींबू, हल्का सा काला नमक, चाट मसाला और टमाटर-खीराच जोड़ सकते हैं।

वेट लॉस में मददगार

जो लोग वजन घटाना चाहते हैं, उनके लिए यह रामबाण की तरह काम करता है। भीगे हुए मूंग लो-कैलोरी और हाई-फाइबर फूड है, जिससे पेट लंबे समय तक भरा रहता है और अनहेल्दी स्नैक्स खाने की क्रेविंग नहीं होती।

डायबिटीज, त्वचा और बालों के लिए अमृत

भीगे हुए मूंग में एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन ई पाया जाता है, जो त्वचा को ग्लोइंग और जवान बनाए रखता है। साथ ही, इसमें मौजूद प्रोटीन और मिनरल्स बालों को मजबूत और घना बनाने में मदद करते हैं। वहीं अगर आपको ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल में रखना है, तो भीगे हुए मूंग जरूर खाएं। इसमें लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है, जिससे यह शुगर को नियंत्रित करने में मदद करता है और इंसुलिन सेंसिटिविटी को बढ़ाता है। रोज़ सुबह भीगे हुए मूंग खाने से शरीर के विषैले पदार्थ बाहर निकल जाते हैं, जिससे शरीर हल्का और एनर्जेटिक महसूस करता है। यह आपके लीवर को भी हेल्दी बनाए रखता है।

प्रोटीन का स्रोत

अगर आप शाकाहारी हैं और अपने शरीर को प्राकृतिक तरीके से प्रोटीन देना चाहते हैं, तो भीगे हुए मूंग से बेहतर कुछ नहीं। यह मांसपेशियों की मजबूती, टिशू रिपेयर और शरीर की ग्रोथ में सहायक होता है। खासकर जो लोग जिम जाते हैं या वजन घटाना चाहते हैं, उनके लिए यह परफेक्ट सुपरफूड है।

दिल रहेगा हेल्दी

भीगे हुए मूंग खाने से बैड कोलेस्ट्रॉल कम होता है और गुड कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है, जिससे हार्ट हेल्थ बेहतर होती है। यह हाई ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में भी मदद करता है और हृदय रोगों से बचाव करता है।

पाचन तंत्र होगा मजबूत

भीगे हुए मूंग में मौजूद डाइटरी फाइबर आपके पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है। यह आपकी आँतों को स्वस्थ रखता है, कब्ज जैसी समस्याओं को दूर करता है और पेट को हल्का और आरामदायक बनाए रखता है। यदि आपको एसिडिटी या पेट फूलने की समस्या होती है, तो रोज सुबह भीगे हुए मूंग खाना आपको इससे राहत दिला सकता है।

इम्यूनिटी बढ़ाए

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी और बदलते मौसम में रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत रखना बहुत जरूरी है। भीगे हुए मूंग में एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन ए, और मिनरल्स होते हैं, जो शरीर को डिटॉक्स करते हैं और बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं।

हंसना मना है

अध्यापक ने सभी बच्चों से 'क्रिकेट मैच' पर निबंध लिखने को कहा: सभी छात्र अपनी-अपनी कापी लेकर निबंध लिखने में जुट गए। मगर पप्पू चुपचाप बैठा था.. अध्यापक ने उसकी कापी देखी और देखते ही बेहोश हो गये। उस पर सिर्फ एक लाइन लिखी थी: बारिश की वजह से मैच स्थगित कर दिया गया है।

टीचर- कल क्यों नहीं आया? पप्पू- नहीं बताऊंगा? टीचर चांटा मारकर- जल्दी बता, पप्पू- वैलेंटाइन डे पर गर्लफ्रेंड के साथ था। टीचर- इतना छोटा होके भी गर्लफ्रेंड के साथ घूमता है, कौन थी वो लड़की? पप्पू- आपकी बेटी ! टीचर बेहोश।

अध्यापक- चिंटू तुम कल स्कूल क्यों नहीं आए? चिंटू-सर , कल मैं सपने में अमरीका चला गया था। अध्यापक- ठीक है! पिन्टू तुम क्यों नहीं आए? पिन्टू-सर , मैं चिंटू को एयरपोर्ट छोड़ने गया था।

अध्यापक-रोहन, अगर तुम्हारे पास पंद्रह सेब हों जिनमें से छः तुम निर्मला को दे दो, चार सुनिता को दे दो और पांच डौली को दे दो तो तुम्हें क्या मिलेगा? रोहन- सर मुझे तीन नई गर्लफ्रेंड मिलेगी? अध्यापक बेहोश!

कहानी | कर्म-योग क्या है?

एक सात वर्ष का बालक रमन महर्षि के पास आया। उन्हें प्रणाम कर उसने अपनी जिज्ञासा उनके समक्ष रखी। क्या आप मुझे बता सकते है कि कर्म-योग क्या है? क्योंकि जब मैं अपने माता-पिता से पूछता हूं, तो वे कहते है कि जब तुम बडे हो जाओगे, तो तुम्हें अपने आप समझ आ जाएगी। बालक की बात सुनकर ऋषि बोले- मैं तुम्हें इस प्रश्न का उतर दूंगा। पर अभी तुम यहां मेरे पास शांतिपूर्वक बैठ जाओ। बालक उनकी आज्ञा का पालन कर उनके पास जाकर बैठ गया। कुछ समय बाद, वहां एक व्यक्ति डोसे लेकर आया। उसने सभी डोसे रमन महर्षि के समक्ष रख दिए। तो महात्मा ने डोसे का एक छोटा सा टुकडा अपने आगे रखा। फिर बालक के पत्तल में एक पूरा डोसा परोस दिया। उसके बाद वहां उपस्थित अन्य अनुयायियो में शेष डोसे बांटने का आदेश दिया। फिर बालक से कहा- अब जब तक मैं अंगुली उठाकर इशारा नही करता, तब तक तुम यह डोसा खाते रहोगे। हां..ध्यान रहे कि मेरे इस संकेत से पहले तुम्हारा डोसा खत्म नही होना चाहिए। पर जैसे ही मैं अंगुली उठाकर संकेत दूं, तो पत्तल पर डोसे का एक भाग भी शेष नहीं रहना चाहिए। उसी क्षण डोसा खत्म हो जाना चाहिए। महर्षि के इन वचनों को सुनते ही बालक ने पूरी एकाग्रता से रमन महऋषि पर दृष्टि टिका दी। उसका मुख बेशक ही डोसे के निवाले चबा रहा था, किंतु उसकी नजरें एकटक महात्मा रमन पर केन्द्रित थी। बालक ने शुरूआत में बड़े-बड़े निवाले खाए। पर बाद में, उसने छोटे-छोटे निवाले खाने शुरू कर दिए। तभी अचानक संकेत मिला। इशारा मिलते ही बालक ने बचा हुआ डोसा एक ही निवाले में मुख में डाल दिया। बच्चे की इस प्रतिक्रिया को देखकर महर्षि बोले- अभी-अभी जो तुमने किया, वही वास्तविक कर्म-योग है। महर्षि ने आगे समझाते हुए कहा- देखो। जब तुम डोसा खा रहे थे, तब तुम्हारा ध्यान केवल मुझ पर था। डोसे के निवाले मुख में डालते हुए भी तुम हर क्षण मुझे ही देख रहे थे। ठीक इसी प्रकार संसार के सभी कार्य-व्यवहार करते हुए भी अपने मन-मस्तिष्क को ईश्वर पर केन्द्रित रखना। मतलब कि ईश्वर में स्थित होकर अपने सभी कर्तव्यों को पूर्ण करना ही वास्तविक कर्म-योग है।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष उत्साहवर्द्धक सूचना मिलेगी। स्वाभिमान बढ़ेगा। पुराने मित्र-संबंधी मिलेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। कार्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में विभिन्न बाधाओं से मन अशांत रहेगा।

वृषभ बुरी खबर मिल सकती है। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। आपसी विचार-विमर्श लाभप्रद रहेगा।

मिथुन मेहनत का फल मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। यात्रा सफल रहेगी। धनलाभ होगा। प्रसन्नता बनी रहेगी। वाहन सुख मिलेगा। संपत्ति के लेन-देन में सावधानी बरतें।

कर्क विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। थकान रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। पराक्रम बढ़ेगा। जीवनसाथी से आर्थिक मतभेद हो सकते हैं।

सिंह राजकीय सहयोग मिलेगा। नए संबंधों के प्रति सतर्क रहें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ होगा। जोखिम बिलकुल न लें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी।

कन्या फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। कुसंगति से बचें। दूसरों पर भरोसा न करें। धैर्य रखें। पारिवारिक जीवन अच्छा रहेगा। रुका पैसा मिलेगा।

तुला रुका हुआ धन प्राप्त होगा। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। विवाद न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। पूंजी निवेश बढ़ेगा। साहित्यिक रुचि बढ़ेगी।

वृश्चिक योजना फलीभूत होगी। नए अनुबंध होंगे। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। जल्दबाजी व भागदौड़ से काम करने की प्रवृत्ति पर रोक लगाएं।

धनु धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। वरिष्ठजनों का सहयोग मिलेगा। कोर्ट व कचहरी के काम बनेंगे। कार्यसिद्धि होगी। आय-व्यय में संतुलन रहेगा। क्रोध पर संयम आवश्यक है।

मकर वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यापार के विस्तार हेतु किए गए प्रयास सफल होंगे।

कुम्भ प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रुभय रहेगा। लाभ होगा। पिछले कार्यों को टालना चाहिए क्योंकि उसमें असफलता का योग है।

मीन संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। खर्चों में वृद्धि से चिंता होगी। संतान के रोजगार की समस्या का समाधान संभव है।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं कहां, करियर बनाने वाला तो ऊपर वाला है : सलमान

सलमान खान को लेकर हाल ही में एक जाने-माने डायरेक्टर ने बड़ा आरोप लगाया है। इस आरोप के बीच अभिनेता ने करियर डुबाने के आरोपों पर रिएक्शन दिया है। सलमान खान पर कई बार ऐसे आरोप लग चुके हैं कि उन्होंने कितनों के करियर बर्बाद किए हैं। हाल ही में एक डायरेक्टर ने भी कुछ ऐसा ही कहा। इस बीच भाईजान ने बिग बॉस 19 के वीकेंड का वार पर आरोपों के बारे में अपनी बात कही है। दरअसल, बिग बॉस 19 के वीकेंड का वार में शहनाज गिल और उनके भाई शहबाज बडेशा आए। शहबाज की वाइल्ड कार्ड एंट्री के बीच शहनाज ने सलमान खान की तारीफों के पुल बांधे और कहा कि उन्होंने कितने लोगों के करियर बनाए हैं। इस पर सल्लू मियां ने कहा, मैंने कहां बनाया है किसी का करियर। करियर बनाने वाला तो ऊपर वाला है। सलमान खान ने बिग बॉस 19 के मंच पर करियर डुबाने के आरोप पर भी रिएक्शन दिया है। उन्होंने कहा, लांछन भी डाला है कि कितनों के डुबाए हैं। खासकर डुबाने वाले तो मेरे हाथ में है ही नहीं। लेकिन आजकल सब चलता है ना कि करियर खा जाएगा। कौन सा करियर खाया मैंने? पर अगर खाओ ना तो मैं अपना खुद का खा जाऊंगा। कभी कभी मैं बेपरवाह हो जाता हूं और फिर छोड़ देता हूं और फिर उसे अपनी पकड़ में लेने की कोशिश करता हूं। हाल ही में, दबंग के डायरेक्टर अभिनव कश्यप ने सलमान खान को गुंडा, बद्तमीज और गंदा बताया है। उनका कहना है कि वह एक्टिंग में इंट्रेस्टेड नहीं लगते हैं, वह काम पर आकर एहसास करते हैं। अगर कोई उनसे सहमत नहीं होता है तो वह उनके पीछे पड़ जाते हैं। उन्होंने उनके परिवार को भी कंट्रोलिंग बताया।

बॉलीवुड के छिपे राज को दिखाने आ गई आर्यन खान की सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड'

सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' का ट्रेलर एक्शन, ड्रामा, इमोशन से भरा है। इसमें एक आम लड़के के हीरो बनने की कहानी, स्ट्रगल को बड़े ही फिल्मी अंदाज में दिखा जा रहा है। साथ ही सीरीज में बॉलीवुड के हर बड़े एक्टर, सेलिब्रिटीज की झलक भी मिलती है। शाहरुख, आमिर खान अपने ही किरदारों में दिखे। वहीं लीड रोल में लक्ष्य अपनी छाप छोड़ने में कामयाब दिखते हैं। सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में ट्रेलर में बॉलीवुड फिल्मों के शौकीन लोगों के लिए काफी कुछ है। सीरीज एक लड़के आसमान की कहानी कहती है, जो बॉलीवुड में हीरो बनने का सफर तय करता है। इस जर्नी में वह बॉलीवुड से, यहां के लोगों से और पॉलिटिक्स से रूबरू होता है।

आसमान के किरदार के जरिए दर्शकों को बॉलीवुड के छिपे राज, कहानियों की झलक भी मिलेगी।

सीरीज की कहानी बॉलीवुड के ईद-गिर्द घूमती है तो इसमें कई सेलिब्रिटीज, स्टार्स नजर आएंगे। ट्रेलर में ही आमिर खान, शाहरुख खान की झलक बड़े ही अलग अंदाज में मिलती है। करण जौहर भी ट्रेलर में नजर आए। एसएस राजामौली भी आमिर खान के साथ दिखाई दिए। कई और बॉलीवुड सेलेब्स इस ट्रेलर में दिखे हैं। आर्यन खान के डायरेक्शन में बनी सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में लक्ष्य ने हीरो आसमान का रोल किया है। वहीं इसमें बॉबी देओल ग्रे शेड रोल में नजर आए, जो हीरो की लवर के पिता बने हैं। सीरीज में मोना सिंह, राघव जुयाल, गौतमी कपूर, मनोज पाहवा जैसे कलाकार भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' को गौरी खान ने प्रोड्यूस किया है। यह 18 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

बार्डर-2 में हुई सोनम बाजवा की इंट्री

बॉलीवुड | गपशप

दिलजीत दोसांझ, वरुण धवन और अहान शेट्टी की अदाकारी वाली फिल्म बॉर्डर 2 काफी चर्चा में है। फिल्म ने पहले ही खूब सुर्खियां बटोरी हैं। फिल्म की स्टार कास्ट में एक नया नाम जुड़ गया है। इससे फिल्म और चर्चा में आ गई है। फिल्म से अब सोनम बाजवा का नाम जुड़ गया है। वह पहले दिलजीत दोसांझ के साथ काम कर चुकी हैं।

सोनम बाजवा बहुप्रतीक्षित ड्रामा फिल्म बॉर्डर 2 के लिए दिलजीत दोसांझ के साथ फिर से काम करने के लिए तैयार हैं। सोनम बाजवा और दिलजीत दोसांझ ने पंजाब 1984, कॉमेडी फिल्म सरदार जी 2, एक्शन से भरपूर फिल्म सुपर सिंह और पारिवारिक मनोरंजन फिल्म हौसला रख में साथ में काम किया है।

फिल्म बॉर्डर 2 में दिलजीत दोसांझ और सोनम बाजवा के अलावा सनी देओल, वरुण धवन, मेधा राणा और मोना सिंह जैसे दमदार कलाकार भी होंगे। सनी देओल ने बॉलीवुड बबल से बातचीत में फिल्म को लेकर कहा हम कभी किसी चीज को लेकर निश्चित नहीं होते। बस चुनौती के साथ कुछ करने का उत्साह हमेशा दिलचस्प होता है। शुरू करने से पहले अगर आदमी सोच लेगा तो वह काम नहीं कर पाएगा। शुरू में चर्चाएं होती रहती हैं फिर हमें बहाव के साथ चलना होता है। फिल्म बॉर्डर 2 जेपी दत्ता की 1997 की क्लासिक फिल्म बॉर्डर का सीक्वल है। फिल्म में एक बार फिर भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध दिखाया जाएगा। इस फिल्म के निर्माता भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जेपी दत्ता और निधि दत्ता हैं। बॉर्डर-2 का निर्देशन अनुराग सिंह कर रहे हैं।

अजब-गजब | आज भी इस गांव की है आखिरी निशानी

जहरीली झील में डुबो दिया गया था यह गांव

दुनिया में कई ऐसी जगहें हैं, जिनकी कहानियां सुनकर दिल दहल जाता है। रोमानिया के अपुसेनी पहाड़ों में बसा गेमाना गांव की ऐसी ही एक भयानक और दुखद कहानी है, जिसे आज भी एक श्रापित गांव के रूप में जाना जाता है। श्रापित यानी ऐसा गांव, जिससे उसके अपने ही लोग दूर हो गए। बता दें कि इस गांव को एक जहरीली झील में डुबो दिया गया था। लेकिन लगभग 50 साल बाद भी उस गांव की आखिरी निशानी उस जहरीली झील में नजर आती है, जिसे देखकर रोंगटे खड़े हो जाएं।

बता दें कि 1977 में रोमानिया के कम्युनिस्ट तानाशाह निकोलई सेउसेस्कु ने एक बड़े तांबे के भंडार का खनन करने का फैसला किया। इस खनन से निकलने वाले जहरीले कचरे को इकट्ठा करने के लिए एक कृत्रिम झील बनाने की जरूरत थी। इस काम के लिए गेमाना गांव को चुना गया। गेमाना और उसके आसपास के गांवों में रहने वाले लोगों के लिए यह फैसला एक अभिशाप साबित हुआ। सरकार ने गांव वालों को अपनी जमीन और घर छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया। गेमाना गांव के लगभग 400 परिवारों को उनके घरों से बेदखल कर दिया गया। उनकी जीवन भर की मेहनत, उनके सपने और उनकी यादें- सब कुछ एक जहरीले पानी के नीचे दफन होने लगा।

जैसे-जैसे तांबे की खदान से निकलने वाला कचरा, जिसमें साइनाइड और अन्य खतरनाक रसायन मिले थे, झील में डाला गया, झील का पानी ऊपर उठता गया और पूरा गांव धीरे-धीरे उसमें समाता चला गया। एक समय जो गांव बहुत सुंदर था, आज वह एक गंदी, ज़हरीली झील बन चुका है। झील का पानी आज भी जहरीला है और इसका रंग भी खतरनाक रूप से बदल चुका है। जैसे-जैसे यह झील बढ़ती गई, गांव की हर चीज डूबती गई। आज अगर आप उस जगह पर जाएंगे, तो आपको सिर्फ एक आखिरी निशानी ही दिखाई देगी, जो चर्च की मीनार है। यह आज भी झील के पानी के ऊपर से झांक रही है। यह निशानी उस गांव की दर्दनाक यादें हैं, जो कभी वहां बसा हुआ था। गेमाना की कहानी हमें बताती है कि कैसे कुछ लोगों के लालच और गलत फैसलों की वजह से एक पूरा गांव हमेशा के लिए मिटा दिया गया।

खुद को गुड़ियों की मां कहती है महिला, रखी है तीन डॉल, हैरत में डाल देगी सकी कहानी!

किसी महिला के जीवन में मां बनने से ज्यादा खुशी और कुछ नहीं हो सकती है। पर हर महिला की किस्मत में ऐसा नहीं होता है। और जब हालात ऐसे बन जाते हैं कि कोई महिला कभी मां नहीं बन सकती, तो उसके लिए यह किसी बहुत बड़े आघात से कम नहीं होता है। यह ऐसा मानसिक आघात होता है जिसमें इंसान का उबरना बहुत ही मुश्किल हो जाता है। इसके लिए मनोचिकत्सक की जरूरत होती है। एक महिला या लड़की की लिए बच्चों का साथ उन्हें कई मानसिक आघातों से उबरने में मदद करता है। दक्षिण अफ्रीका की रियालेबोगा मकोएना ने अपनी मानसिक सेहत सुधारने के लिए डॉल्स का सहारा लिया है और अब स्वस्थ्य जीवन जी रही हैं। उनकी कहानी लोगों को हैरत में डालती है। रियालेबोगा आज रिबॉर्न डॉल्स की मां बन कर अपनी जिंदगी जी रही हैं। सिल्वर्टन, प्रिटोरिया की रहने वाली रियालेबोगा तीन गुड़ियों रिवर, रुएल और रैरिटी की देखभाल करती हैं और अपने अनुभव सोशल मीडिया पर साझा करती हैं। कुछ लोग उन्हें मानसिक रूप से बीमार या टोना-टोटका करने वाली कहकर उनकी आलोचना करते हैं। लेकिन उनके साहस की तारीफ करने वाले भी कम नहीं हैं। जो लोग नहीं जानते हैं वे हैरान होते हैं कि आखिर रियालेबोगा ऐसा करती क्यों हैं। असल में, गुड़ियों की देखभाल उनके लिए अवसाद और चिंता से निपटने का एक सहारा है। कहना है कि इन डॉल्स से उन्हें भावनात्मक सुरक्षा और मानसिक शांति मिलती है। थिएटर आर्ट्स की छात्रा रियालेबोगा मानती हैं कि इन 'जन्म ब्लॉग्स' और देखभाल की प्रक्रिया से उन्हें वही खुशी मिलती है जो असली मातृत्व में महसूस होती है, और यह उनके लिए एक कारगर थेरेपी बन चुका है। रियालेबोगा की कहानी तब शुरू होती है जब वे12 साल की थीं तब उनका कार एक्सीडेंट हुआ था। उसमें वो बहुत ज्यादा जख्मी तो नहीं हुई थी। लेकिन उन्हें उससे पोस्ट ट्रूमैटिक स्ट्रेस डिसॉर्डर, (पीटीएसडी) हो गया था। शुरू में तो उन्होंने उससे अकेले निपटने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने बाद में बेचैनी के दौरे आने लगे। आखिर उन्होंने डॉक्टर और स्कूल के काउंसलर की मदद ली। दवाई और थेरेपी सेशन ने मदद की, लेकिन अपनी प्यारी चीज़ों से जुड़ना उनकी जिंदगी में अलग ही मोड़ ले आया। रेयालेबोगा धीरे धीरे उन चीजों पर ध्यान केंद्रित करने लगीं जो उन्हें पसंद थीं। बचपन में उन्हें डॉल्स से काफी लगाव था। जब दो साल पहले उन्हें रीबॉर्न डॉल्स के बारे में पता चला। वे एक आर्ट स्टूडियो में एक सामान्य डॉल्स को रीबॉर्न डॉल्स में बदलवाया। यहीं से उनकी मातृत्व के सफर की शुरुआत हो गई।

हलफनामे या माफी मांगना चुनाव आयोग का काम नहीं

» कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने सीईसी ज्ञानेश कुमार पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार पर एक नया हमला बोला। उन्होंने तीन पूर्व चुनाव निगरानीकर्ताओं की दुर्लभ सार्वजनिक आलोचना का सहारा लिया, जिन्होंने राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों से निपटने के तरीके को गलत बताया था। चिदंबरम ने कहा कि चुनाव आयोग का काम गंभीर शिकायतों की जांच करना है, न कि विपक्ष के नेता को हलफनामे या माफी मांगने का अल्टीमेटम देकर चुनौती देना। चिदंबरम ने एक्स पर एक पोस्ट में तीन पूर्व चुनाव आयुक्तों द्वारा की गई कड़ी आलोचना का हवाला दिया।

पूर्व चुनाव अधिकारियों ने कुमार के रुख की कड़ी आलोचना की और इस बात पर ज़ोर दिया कि अगर किसी नागरिक या हितधारक ने कोई ठोस शिकायत की है, तो चुनाव आयोग का कर्तव्य है कि वह शिकायतकर्ता को चुनौती देने के बजाय उसकी जांच करे। उनका यह ट्वीट ऐसे समय आया है जब तीन पूर्व चुनाव आयुक्तों ने कहा है कि राहुल गांधी द्वारा लगाए गए वोट चोरी के आरोपों पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का रवैया सही नहीं है। तीनों पूर्व चुनाव अधिकारियों ने वोटर लिस्ट की व्यवस्थित जांच के कॉन्सेप्ट का बचाव किया था। लेकिन उन्होंने बिहार में इसकी टाइमिंग और प्रक्रिया पर चिंता जाहिर की थी। उन्होंने कहा कि वोटर लिस्ट में गलतियां होना स्वाभाविक है और चुनाव से ठीक पहले इसे विवाद का मुद्दा नहीं बनना चाहिए।

पूर्व चुनाव आयुक्तों ने की थी ज्ञानेश की तीखी आलोचना

एसवाई कुरैशी और ओपी रावत और पूर्व चुनाव आयुक्त अशोक लवासा ने जोर देकर कहा कि भारत के चुनाव काफी हद तक स्वतंत्र और निष्पक्ष% हैं। उन्होंने यह भी कहा कियोट चोरी जैसे दावे राजनीतिक बयानबाजी हैं, जो हर चुनावी मौसम में सामने आते हैं। एसवाई कुरैशी ने कहा था कि वोटर लिस्ट को लेकर चिंताएं जायज हैं। मैंने हमेशा कहा है कि वोटर लिस्ट हमारी कमजोर रीढ़ हैं। ये भारत के चुनावों और उनकी विश्वसनीयता की नींव हैं। जब तक वोटर लिस्ट सटीक और साफ-सुथरी नहीं होंगी, चुनावों को मरोसेमंद नहीं माना जा सकता।

नेता प्रतिपक्ष का न्यूज लेटर दुर्भाग्यजनक : विजय शर्मा

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के न्यूज लेटर पर मप्र के मंत्री विजय शर्मा ने कहा, मैं उन(विपक्ष) सभी लोगों से पूछना चाहता हूं कि वोट चोरी से उनका क्या मतलब है? एक जगह वे (राहुल गांधी) मतदाता सूची में गड़बड़ी की आशंका होने की बात कहते हैं और दूसरी जगह जहां मतदाता सूची में सुधार हो रहा है तो वे उसका विरोध कर रहे हैं। उनकी दोनों ही बातों में विरोधाभास है।

बिना मंजूरी की जांच अवैध : लालू

» जमीन के बदले नौकरी मामले में राजद प्रमुख ने की सीबीआई से एफआईआर रद करने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने दिल्ली उच्च न्यायालय में जमीन के बदले नौकरी घोटाले मामले में दर्ज सीबीआई एफआईआर को रद्द करने की मांग की। उनका कहना है कि यह एफआईआर आवश्यक मंजूरी के बिना दर्ज की गई। लालू के वकील ने न्यायमूर्ति रवींदर दूडेजा के सामने कहा कि सीबीआई की जांच अवैध है। वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि सीबीआई ने भ्रष्टाचार निवारण एक्ट के तहत अनिवार्य मंजूरी के दर्ज की। मंजूरी के बिना जांच शुरू ही नहीं हो सकती थी। पूरे मामले की कार्यवाही गलत है। सिब्बल ने यह भी कहा कि मंजूरी की आवश्यकता तब थी जब यादव रेल मंत्रालय की जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे थे।

उन्होंने आगे कहा कि हम सिर्फ एफआईआर को रद्द करने की मांग कर रहे हैं। दरअसल, मामला 2004 से 2009 के बीच यादव के रेल मंत्री रहते हुए मध्य प्रदेश के जबलपुर रेलवे क्षेत्र में ग्रुप डी की नियुक्तियों से जुड़ा है। आरोप है कि नियुक्तियों के बदले कर्मचारियों ने जमीन राजद सुप्रीमो के परिवार या सहयोगियों के नाम ट्रांसफर की। यह एफआईआर 18 मई 2022 को दर्ज की गई थी, जिसमें लालू और उनके परिवार के सदस्य, कुछ अज्ञात सरकारी अधिकारी और निजी लोग शामिल हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि एफआईआर लगभग 14 साल की देरी के बाद दर्ज की गई, जबकि सीबीआई की शुरुआती जांच पहले ही बंद कर दी गई थी। लालू का कहना है कि यह मामला राजनीतिक बदला और प्रतिशोध है और बिना मंजूरी की जांच पूरी तरह से अवैध है।

लालू प्रसाद ने समाज को बर्बाद किया: सम्राट चौधरी

भाजपा के वरिष्ठ नेता सह उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि राजद सुप्रीमो सामाजिक न्याय की बात करते हैं, लेकिन सबसे ज्यादा समाज को बर्बाद करने का काम उन्होंने ने ही किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि लालू के परिवार ने कभी चुनावी घोषणापत्र जारी नहीं किया है और वे मैनिफेस्टो कमिटी की बैठक भी नहीं कर रहे हैं। डिप्टी सीएम ने कहा कि अब राष्ट्रीय चिन्ह को भी राजद के लोग इसे मजाक में ले रहे हैं। उन्होंने मगध के गौरवशाली इतिहास का मजाक उड़ाने का आरोप भी लगाया और लालू परिवार से सवाल किया कि वे राष्ट्रीय प्रतीक को लेकर अपनी स्थिति स्पष्ट करेंगे या इसे मजाक में लेंगे। उन्होंने कहा कि पिछले दो दिनों में सम्राट अशोक ने अखंड भारत का निर्माण किया था और अब उनके राष्ट्रीय चिह्न अशोक स्तंभ को अपमानित करने का काम जम्मू-कश्मीर में हुआ है, जो बहुत गलत है। चौधरी ने राहुल पर कटाक्ष करते हुए कहा कि 55 साल का बच्चा बिहार के 1400 किलोमीटर घूम रहा है और अब मलेशिया निकल गए हैं।

बिहार में जदयू 25 सीटें भी नहीं जीतेगी : पीके

» जन सुराजपार्टी अध्यक्ष बोले - अगर जीती तो छोड़ दूंगा राजनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। प्रशांत किशोर ने आगामी बिहार विधानसभा चुनावों में जदयू के लिए 25 सीटों से कम की भविष्यवाणी करते हुए, अगर यह आंकड़ा पार होता है तो राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा की है। उन्होंने अपनी पिछली पश्चिम बंगाल चुनाव की सटीक भविष्यवाणी का उल्लेख करते हुए इस दावे को मजबूत किया, जिससे बिहार की चुनावी रणनीति में एक नया मोड़ आ गया है।

जन सुराज पार्टी के नेता ने कहा कि उन्होंने पहले ही कहा था कि पश्चिम बंगाल चुनाव में भाजपा 100 का आंकड़ा पार नहीं कर पाएगी और जैसा कि कहा गया, भगवा पार्टी केवल 77 सीटों पर ही सिमट गई। उन्होंने कहा कि अगर चुनाव में जदयू 25 से ज़्यादा सीटें जीतती है, तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा। उन्होंने जदयू के राष्ट्रीय महासचिव मनीष कुमार वर्मा के इस आरोप पर भी निशाना साधा कि किशोर शराब माफिया से मिले हुए हैं। उन्होंने वर्मा की तुलना सड़क पर टहलते कुत्ते से की और कहा कि हर किसी को जवाब देने की ज़रूरत नहीं है। किशोर ने मुसलमानों और हिंदुओं के बीच गठबंधन की वकालत की, जो उनके अनुसार गांधीवादी, अंबेडकरवादी, कम्युनिस्ट और समाजवादी हैं।

भाषाई आतंक फैलाने वाली पार्टी बंगाल में नहीं जीत सकती: ममता

» बंगाल की सीएम बोलीं- भाजपा का बंगाल में एक भी विधायक नहीं बचेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि वह बांग्ला भाषी लोगों के खिलाफ है। उन्होंने भविष्यवाणी की कि भाजपा का बंगाल में एक भी विधायक नहीं बचेगा क्योंकि भाषाई आतंक फैलाने वाली कोई पार्टी यहां नहीं जीत सकती। इस दौरान विधानसभा में विपक्ष के विरोध के कारण शुभेंदु अधिकारी और अग्निमित्रा पॉल को निलंबित किया गया, जिससे पश्चिम बंगाल की राजनीति गरमा गई।

ममता ने कहा कि मैं बंगालियों पर हो रहे अत्याचार के लिए भाजपा की निंदा करती हूं। बनर्जी ने भाजपा को वोट चोर पार्टी बताते हुए कहा कि यह पूरी तरह से भ्रष्ट है। उन्होंने कहा कि भाजपा वोट चोर, पूरी तरह से भ्रष्ट, बंगालियों को सताने वाली और धोखेबाज़ पार्टी है। भाजपा राष्ट्रीय कलंक है और मैं इसकी कड़ी निंदा करती हूं। तृणमूल कांग्रेस ने नियम 169 के तहत देश भर में बंगाली भाषी लोगों के खिलाफ कथित घटनाओं की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पेश किया। बनर्जी के बोलने के दौरान उन्हें विपक्ष के भारी विरोध का भी सामना करना पड़ा, जिसके कारण भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी और अग्निमित्रा पॉल को निलंबित कर दिया गया।

भाजपा अनैतिक, असंवैधानिक और अलोकतांत्रिक है

बनर्जी ने भी भाजपा की आलोचना करते हुए कहा कि यह पार्टी द्वारा अनैतिक, असंवैधानिक, लोकतांत्रिक और सत्ता का दुरुपयोग है और वे अपने उद्देश्यों के लिए सेना का इस्तेमाल करना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह भाजपा द्वारा अनैतिक, असंवैधानिक, अलोकतांत्रिक और सत्ता का दुरुपयोग है। वे सेना का इस्तेमाल अपने उद्देश्य के लिए करना चाहते हैं। यही आज का संदेश है। उन्हें आंतरिक सुरक्षा और सीमा सुरक्षा की परवाह नहीं है। उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए... हमें इस कार्यक्रम की अनुमति थी, हमने शुल्क भी चुकाया था।

सिराज अगस्त महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी नामित

» न्यूजीलैंड के हेनरी और वेस्टइंडीज के सील्स भी दौड़ में शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दुबई। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को आईसीसी के अगस्त महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। सिराज ने इंग्लैंड दौरे पर प्रभावित किया था और पांचवें टेस्ट में अपनी दमदार गेंदबाजी से भारत को मैच जिताया था। सिराज के साथ इस पुरस्कार की दौड़ में न्यूजीलैंड के मैट हेनरी और वेस्टइंडीज के जेडन सील्स भी शामिल हैं।

सिराज ने इंग्लैंड में पांच मैचों की सीरीज के सभी मैचों को खेला और 23 विकेट चटकाए। सिराज ने पांचों टेस्ट में 185.3 ओवर डाले और अपनी रफ्तार कम किए बिना युवा और कम अनुभव वाले भारतीय टीम को 2-2 से ड्रॉ करने में मदद की। आईसीसी ने कहा, मोहम्मद सिराज ने अगस्त में सिर्फ एक मैच खेला, लेकिन उस मैच में उनकी शानदार गेंदबाजी उन्हें नामांकन दिलाने के लिए काफी थी। जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में सिराज ने बहुत दृढ़ संकल्प के साथ आक्रमण का नेतृत्व किया। इस शानदार प्रयास के लिए सिराज को इस मैच का प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। न्यूजीलैंड के हेनरी को जिम्बाब्वे में टेस्ट सीरीज में जीत के दौरान उनके शानदार प्रदर्शन के लिए नामांकित किया गया है। इस दाएं हाथ के गेंदबाज ने इस सीरीज में 16 विकेट लिए। वहीं सील्स के शानदार प्रदर्शन से वेस्टइंडीज ने 34 साल में पहली पर वनडे सीरीज में पाकिस्तान को शिकस्त दी। सील्स ने तीन मैचों की इस सीरीज में 10 विकेट लिए।

अफगान-हॉन्ग कॉन्ग के मैच से होगा एशिया कप का आगाज

अबु धाबी। एशिया कप 2025 का आगाज मंगलवार को ग्रुप बी का पहला मुकाबला अफगानिस्तान और हॉन्ग कॉन्ग के बीच अबु धाबी में खेला जाएगा। दोनों टीमें जीत के साथ टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत का लक्ष्य लेकर उतरेंगी। दोनों टीमों के हेड-टू-हेड रिकॉर्ड पर नजर डालें तो अफगानिस्तान का पलड़ा हॉन्ग कॉन्ग पर भारी है। दोनों टीमों के बीच अब तक पांच टी20 मुकाबले खेले गए हैं। अफगानिस्तान ने तीन मुकाबले जीते हैं जबकि हॉन्ग कॉन्ग ने सिर्फ दो मैच अपने नाम किए हैं। ऐसे में यासिम मुर्तजा के नेतृत्व वाली हॉन्ग कॉन्ग टीम का नजर राशिद खान की अगुवाई वाली अफगानिस्तान टीम के खिलाफ रिकॉर्ड में सुधार पर होगी।

पंजाब-हरियाणा में बाढ़ से त्राहिमाम मच गया सियासी संग्राम

पीएम के दौरे को लेकर आप-कांग्रेस-शिअद ने भाजपा को घेरा

» पंजाब के लिए 60 हजार करोड़ और राहत पैकेज दे प्रधानमंत्री : संजय सिंह

» बोले आप नेता- केंद्रीय कृषि मंत्री पंजाब आए और केवल फोटो खिंचवाकर लौट गए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पंजाब व हरियाणा में बाढ़ से हालात बदतर है। इस बीच पीएम के पंजाब दौरे को लेकर सियासी संग्राम भी मचा हुआ है। आप, कांग्रेस, शिअद ने भाजपा सरकार पर पक्षपात करने का आरोप लगाया है।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने मंगलवार को बाढ़ प्रभावित पंजाब का दौरा करने जा रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बड़ा राहत पैकेज जारी करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि पंजाब में बाढ़ से बड़े स्तर पर फसलों, मकानों, दुकानों और मवेशियों का नुकसान हुआ है। ऐसे में केंद्र सरकार को पंजाब के लिए 60 हजार करोड़ रुपये और तत्काल 20 हजार करोड़ का राहत पैकेज जारी करना चाहिए।

संजय सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार, उसके मंत्री, विधायक और कार्यकर्ता दिन-रात बाढ़ पीड़ितों की सेवा में जुटे हैं। लेकिन केंद्र का रवैया बेहद निराशाजनक है। केंद्रीय कृषि मंत्री पंजाब आए और केवल फोटो खिंचवाकर लौट गए। मदद देने के बजाय उन्होंने सिर्फ रिपोर्ट सौंपने की बात कही। अब जबकि प्रधानमंत्री मोदी खुद पंजाब आ रहे हैं, तो उम्मीद है कि यह दौरा सिर्फ औपचारिकता नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान बीमार होने के बावजूद लगातार बाढ़ प्रभावितों के हालात पर नजर रखे हुए हैं और कैबिनेट मीटिंग कर राहत घोषणाएं की हैं। संजय सिंह ने कहा कि पंजाब के हक का जीएसटी और रूरल डेवलपमेंट फंड का 60 हजार करोड़ रुपये केंद्र के पास बकाया है। केंद्र की जिम्मेदारी है कि पंजाब को इस मुश्किल घड़ी में मदद दे। आप नेता ने कहा कि वे खुद अजनाला, पठानकोट, सुल्तानपुर और फाजिल्का जैसे इलाकों में बाढ़ का जायजा ले चुके हैं जहां हालात बेहद गंभीर हैं।संजय सिंह ने केंद्र सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि आपदा के समय किसी राज्य के साथ सौतेला व्यवहार लोकतांत्रिक मर्यादाओं के खिलाफ है। प्रधानमंत्री को अब रिपोर्ट नहीं, बल्कि राहत पैकेज का एलान करना चाहिए।

'पंजाब में त्रासदी, एनडीए सरकार ने मदद नहीं की'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) ने उपराष्ट्रपति चुनाव के बहिष्कार का एलान किया है। पार्टी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा है कि जब पंजाब इस त्रासदी से जूझ रहा है, देश में उपराष्ट्रपति का चुनाव हो रहा है। पंजाब के लोग राज्य सरकार और केंद्र सरकार से बेहद परेशान और नाराज हैं, क्योंकि न तो पंजाब सरकार और न ही केंद्र सरकार उनकी मदद के लिए आगे आई है।

शिरोमणि अकाली दल पंजाब के लोगों की भावनाओं और आवाज का प्रतिनिधित्व करता है। इसलिए पार्टी ने उपराष्ट्रपति चुनाव का बहिष्कार करने का फैसला किया है। पंजाब और पंजाबी हमेशा राष्ट्र के साथ खड़े रहे हैं। जब भी और जहां भी कोई संकट आया है लेकिन आज पंजाबियों को अभूतपूर्व बाढ़ के कारण स्वयं एक बहुत ही गंभीर संकट का सामना करना पड़ रहा है। राज्य का लगभग एक-तिहाई हिस्सा पानी में डूबा हुआ है और घर और फसलें पूरी तरह से नष्ट हो गई हैं। बता दें कि पूर्व केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल बठिंडा से शिअद की एकमात्र सांसद हैं। शिअद की तरफ से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि न तो राज्य सरकार और न ही केंद्र सरकार पंजाबियों की किसी भी तरह से मदद के लिए आगे आई है। इस संकट से आम तौर पर पंजाबी और खासकर सिख, राज्य या केंद्र की किसी भी मदद के बिना लड़ रहे हैं। राज्य के ग्रामीण युवा गुरु साहिबान की कृपा और प्रेरणा से प्रेरित होकर धार्मिक समर्पण की भावना से बाढ़ के खिलाफ इस लड़ाई में सबसे आगे हैं।

सुरजेवाला ने नायब सैनी सरकार पर उठाए गंभीर सवाल

रणदीप सुरजेवाला ने हरियाणा में बाढ़ और जलभराव के लिए नायब सैनी सरकार की अक्षमता व निष्क्रियता को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने दावा किया कि भारी मानसूनी बारिश की पूर्व चेतावनी के बावजूद सरकार समय पर कदम उठाने में विफल रही, जिससे व्यापक क्षति हुई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने सोमवार को कहा कि हरियाणा के कई हिस्सों में बाढ़ और जलभराव केवल प्रकृति के प्रकोप का नतीजा नहीं है, बल्कि इसके पीछे नायब सिंह सैनी सरकार की अक्षमता और निष्क्रियता भी है। उन्होंने दावा किया कि भारी मानसूनी बारिश के चलते पूर्व चेतावनी के बावजूद समय रहते कदम नहीं उठाए गए। पिछले कुछ दिनों में हरियाणा के कई बाढ़ प्रभावित और जलभराव वाले इलाकों का दौरा करने वाले सुरजेवाला ने कहा, बाढ़ और जलभराव का कारण केवल प्रकृति का प्रकोप नहीं है, बल्कि यह नायब सैनी सरकार की अक्षमता और निष्क्रियता का भी नतीजा है। उन्होंने यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, हर साल मानसून आने से पहले बाढ़ नियंत्रण बोर्ड की बैठकें होती हैं, जिनमें वरिष्ठ अधिकारी हिस्सा लेते हैं। जिलों में हर कोई जानता है कि नालों की स्थिति क्या है, कौन से इलाके जलभराव की चपेट में हैं और किन नदियों के किनारे किन तटबंधों को मजबूत करने की जरूरत है। कांग्रेस नेता ने कहा कि अब हरियाणा के कई हिस्से जलमग्न हो गए हैं और 11 शहर तथा 72 कस्बे बाढ़ की चपेट में हैं, जबकि हजारों एकड़ कृषि भूमि जलमग्न हो गई है और फसलें नष्ट हो गई हैं। कांग्रेस महासचिव और हरियाणा के पूर्व मंत्री ने कहा, "तटबंधों को मजबूत नहीं किया गया, नालों, नहरों, नदियों की सफाई या गाद निकालने का काम नहीं किया गया, पंपिंग सेट की व्यवस्था नहीं की गई, जल निकासी प्रणालियों की सफाई नहीं की गई, कोई मॉक ड्रिल नहीं की गई..." उन्होंने कहा, "अब सरकार की अक्षमता और निष्क्रियता की वास्तविकता जनता के सामने है।

जनता के हक की लड़ाई लड़ते रहेंगे : केजरीवाल

जम्मू-कश्मीर में आम आदमी पार्टी के विधायक मेहराज मलिक को अस्पताल की मांग करने पर गिरफ्तार किए जाने की कार्रवाई को पार्टी ने मोदी सरकार की तानाशाही करार दिया है। आप ने आरोप लगाया कि जम्मू-कश्मीर पुलिस केंद्र सरकार के इशारे पर काम कर रही है। जनता की जायज मांग को दबाने के लिए विपक्षी नेताओं को टारगेट बना रही है। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि क्या जनता के लिए अस्पताल मांगना गुनाह है। जेल, धमकियां और साजिशें हमें कभी डरा नहीं सकतीं। हम जनता के हक की लड़ाई हमेशा लड़ेंगे। आप के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने भी गिरफ्तारी को लोकतंत्र पर हमला बताया। उन्होंने कहा कि सत्ता की भूख में डूबी मोदी-शाह सरकार की यह खुली तानाशाही है, जहां जनता के हक की आवाज उठाने वालों को खतरा समझा जा रहा है। राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि मेहराज मालिक संघर्षशील नेता हैं और जनता की आवाज दबाने के लिए की गई यह कायराना कार्रवाई भाजपा सरकार का चेहरा उजागर करती है।

अपने ही पार्षद से नाराज हुई महापौर

नगर निगम सदन में कई प्रस्ताव पर हुई चर्चा

कांग्रेस पार्षद ने एनओसी का मुद्दा सदन में उठाया

लेट लतीफी को लेकर कांग्रेस पार्षद मुकेश चौहान ने मुद्दा उठाया। एलडीए वीसी के जारी पत्र पर भी जताई आपत्ति पत्र का हवाला देते हुए पार्षद मुकेश चौहान ने कहा एलडीए वीसी के पत्र के हिसाब से अब नगर निगम की सम्पत्ति की एनओसी नगर निगम से नहीं लेनी होगी।

» मोंटी का हंगामा, सदन से किया वॉक आउट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महापौर सुषमा खर्कवाल और पार्षद के बीच जमकर बहस हुई। महापौर पर भड़के पार्षद ने सदन से किया वॉक आउट कर दिया। पार्षद का कहना है उन्होंने तीन सवाल किए थे लेकिन उसका जवाब नहीं दिया गया भाजपा पार्षद मुकेश सिंह उर्फ मोंटी ने महापौर पर सदन में कई गंभीर आरोप लगाए । मोंटी का कहना है महापौर अपना पर्सनल काम कर रही हैं

वह कहती फिरती हैं की जनता का काम कर रहे हैं । लाइटों के टेंडर और नगर निगम की जमीनों को लेकर भी मोंटी ने बताया सब कुछ बेच दिया है जो कुछ बचा है नगर निगम में वो भी एक दिन बेच दिया जाएगा।

मौलवी गंज से बीजेपी के पार्षद हैं मुकेश सिंह मोंटी नगर निगम में वेतन मान और स्थायीकरण को लेकर जमकर हंगामा।

सदन में पार्षदों ने अधिकारियों के खिलाफ खोला मोर्चा बीजेपी पार्षदों ने कर्मचारियों के उत्पीड़न पर अधिकारियों को घेरा 30 साल नौकरी करने वाले कर्मचारी रिटायर्ड हो गए लेकिन स्थायीकरण नही हुआ। सैनेट्री सुपरवाइजर बृजेश कुमार के स्थायीकरण न होने को लेकर पार्षद नाराज़ थे। महापौर ने बीजेपी पार्षदों के विरोध को देखते हुए जांच बिठाई है । पार्षदों का कहना है अधिकारी अपने चहेते कर्मचारियों का वेतन बढ़ा देते हैं लेकिन अन्य कर्मचारियों को नज़र अंदाज किया जाता है पार्षदों का कहना है 18000 सामान्य वेतन अस्थायी कर्मियों का होना चाहिए।

कुल्लू में फिर अचानक भूस्खलन से बड़ी तबाही

» शर्मानी गांव में 5 लोग लापता, शव बरामद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में एक बार फिर से भूस्खलन से भारी तबाही मची है. आनी विकास खंड निरमंड की ग्राम पंचायत घाटू के शर्मानी गांव में मंगलवार (9 सितंबर) की सुबह लगभग 2.00 बजे अचानक भूस्खलन हो गया।

ग्राम पंचायत प्रधान भोगा राम ने इसकी पुष्टि की है। अब तक मिल सकी जानकारी के अनुसार, इस हादसे में एक ही परिवार के 5 सदस्य लापता बताए जा रहे हैं, जबकि घटनास्थल से एक शव बरामद हुआ है। गांव में दहशत का माहौल है और लोग पूरी तरह सहमे हुए हैं। स्थानीय प्रशासन को सूचना दे दी गई है और राहत बचाव कार्य तेजी से चल रहा है। क्षेत्र में भारी बारिश के कारण हालात और भी गंभीर बने हुए हैं। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे सुरक्षित स्थानों पर शरण लें और सतर्क रहें। हादसा देर रात हुआ, जिस समय सब घरों में सो रहे थे। भूस्खलन के बाद कई लोग मलबे में दब गए, जिन्हें रेस्क्यू कर बाहर निकाला गया है। घायलों को नजदीकी निरमंड अस्पताल में इलाज के लिए भेजा गया है. वहीं, अभी भी पांच लोग लापता हैं। उनकी तलाश में सर्च ऑपरेशन चल रहा है।

नेपाल में और उग्र हुआ विद्रोह!

» राष्ट्रपति भवन में प्रदर्शनकारियों ने लगाई आग

» सेना ने 6 मंत्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

काठमांडू। नेपाल में राजनीतिक संकट गहराता जा रहा है। मंगलवार (9 सितंबर) को केपी ओली सरकार के 9 मंत्रियों ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। इन मंत्रियों ने इस्तीफा देने का कारण सरकार की नीतियों और सोमवार को सोशल मीडिया बैन को लेकर हुई हिंसक जेन जेड-प्रदर्शन के दौरान सरकारी कार्रवाई को बताया है।

उधर, नेपाल के बीरगंज में नेपाल सरकार के कानून मंत्री अजय कुमार चौरसिया का भी घर जला दिया गया है। इससे पहल राष्ट्रपति भवन में आग लगाने की खबर है। इस्तीफा देने वाले मंत्रियों में मुख्य रूप से कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य और सूचना मंत्रालय से जुड़े नाम शामिल हैं। उनका कहना है कि सरकार ने नागरिकों की आवाज को दबाने और लोकतांत्रिक अधिकारों का सम्मान न करने के कारण ये कदम उठाया। साथ ही उप-प्रधानमंत्री ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उनका इस्तीफा इस बात का संकेत है कि राजनीतिक असंतोष केवल कांग्रेस के भीतर ही नहीं, बल्कि सरकार के शीर्ष स्तर तक फैल गया है।

भारत ने दी नेपाल को एहतियात बरतने की सलाह

भारत सरकार ने भी इसपर अपनी प्रतिकि या देते हुए नेपाल को एहतियात बरतने की सलाह दी है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने बयान जारी करते हुए कहा कि नई दिल्ली ने हालातों पर बारीकी से नजर बना रखी है। हम नेपाल के सभी नागरिकों से सावधानी बरतने की अपील करते हैं।

नेपाल के पीएम केपी ओली ने दिया इस्तीफा

नेपाल में सोशल मीडिया बैन और सिस्टम में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ सड़कों पर उतरे त्नद्गठ्ठ-ंर् प्रदर्शनकारियों के आगे सरकार झुक गई है। पहले नेपाल के गृह मंत्री, कृषि मंत्री और स्वास्थ्य मंत्री ने इस्तीफा दिया और अब नेपाल के पीएम केपी शर्मा ओली ने इस्तीफा दे दिया है।

नेपाल में सोशल मीडिया प्रतिबंध को लेकर भड़के विरोध प्रदर्शनों के बाद सरकार ने सोमवार (8 सितंबर) को अपना फैसला वापस ले लिया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।